रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 28 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 27 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

अमेरिका में बर्फीले तूफान, 30 की मौत

लाखों घरों में बिजली गुल | **10 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स रद**

वाशिंगटन, एजेंसी। । अमेरिका में बर्फीले तूफान की एंट्री से हर तरफ अंधेरा छा गया है। 8 लाख से ज्यादा घरों में बिजली नहीं है। लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गई है। वहीं, खराब मौसम के कारण 10000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं। बर्फीले तूफान के कारण अमेरिका में 30 लोगों की मौत हो गई है।

बर्फीले तूफान ने अमेरिका के पूर्वी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। ज्यादातर हिस्सों में भारी बर्फबारी और तेज बारिश देखने को मिल रही है। तापमान लुढ़कने के कारण ठंड अचानक से बढ़ गई है।

नेशनल वेदर सर्विस ने रविवार को चेतावनी जारी की थी। इसके अनुसार, लोगों को अभी इस बर्फीले तूफान से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। घरों से बाहर निकलना जानलेवा हो सकता है। इसलिए लोगों से घरों में रहने की गुजारिश की गई थी। पावर आउटेज के अनुसार, 850000 लोग बिना बिजली के अंधेरे में रह रह हैं। टेनेसी, मिसिसिपी, टेक्सास और लुइसियाना जैसे शहरों में इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा है। केंटकी, जॉर्जिया, वर्जीनिया और अलबामा जैसे राज्य भी बिजली गुल होने का सामना कर रहे हैं।

तूफान से लाखों लोग प्रभावित

ओहियो वैली में भारी से बहुत भारी बर्फबारी होने की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिक एलिसन सैंटोरेली के अनुसार, ये एक तरह का अनोखा तूफान है, क्योंकि इसने बहुत बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। न्यू मैक्सिको से लेकर टेक्सास और न्यू इंग्लैंड तक 2,000 मील के क्षेत्र में फैले इस तूफान से लगभग 213 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।

इंग्लैंड से लेकर आयरलैंड में अलर्ट

तेज हवा, भारी बारिश और बर्फबारी के साथ UK में दस्तक देगा तूफान चंद्रा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आज मंगलवार को चंद्रा तूफान दस्तक देने जा रहा है। मेट ऑफिस ने चेतावनी दी है कि मंगलवार को पूरे यूनाइटेड किंगडम में तेज हवाएं चलेंगी। भारी बारिश के साथ बर्फबारी होने का भी अनुमान है।

तूफान चंद्रा से बहुत तेज़ हवाओं के चलने से इमारतों को नुकसान हो सकता है। छतों से टाइलें और मलबे के उड़ने से जानलेवा चोटें लग सकती हैं। ये तूफान मौसम को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर सकता है।

इंग्लैंड से लेकर आयरलैंड तक अलर्ट- ब्रिटेन में इस तूफान को लेकर कई मौसम संबंधी चेतावनी जारी की गई हैं, जिसमें दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के लिए बारिश और उत्तरी आयरलैंड के पूर्वी तट पर तेज हवाओं के चलने की चेतावनी दी गई है। सबसे तेज हवाएं दक्षिण पश्चिम और वेल्स में चलेंगी। पेम्ब्रोकशायर और आइल्स ऑफ सिली में 80द्बश्चद्ध की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। उत्तरी आयरलैंड में 75द्बश्चद्ध की रफ्तार से हवाओं के चलने की आशंका है।

बाढ़ का भी अलर्ट

यूनाइटेड किंगडम में इस सप्ताह बाढ़ भी एक बड़े खतरे के तौर पर सामने आने वाली है। पर्यावरण एजेंसी ने इंग्लैंड के लिए 97 बाढ़ अलर्ट और 19 चेतावनी जारी की हैं। यूनाइटेड किंगडम की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने कमजोर लोगों के जीवन के लिए इस बड़े जोखिम के बीच सोमवार की शाम 6 बजे से शुक्रवार तक उत्तरी इंग्लैंड के लिए ठंड स्वास्थ्य अलर्ट सक्रिय कर दिया है।

ट्रंप ने की आपदा की घोषणा- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भी इसपर चिंता जताई है। ट्रंप ने इस तूफान को ऐतिहासिक करार देते हुए इसे संघीय आपातकालीन आपदा घोषित करने की मंजूरी दे दी है। अमेरिका के लगभग 20 राज्यों समेत कोलंबिया के कुछ शहरों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। ट्रम्प ने शनिवार को ट्रुथ पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हम इस तूफान के रास्ते में आने वाले सभी राज्यों पर नजर रखेंगे और उनसे संपर्क में रहेंगे। सभी लोगों से अपील है कि वो सुरक्षित रहें और ठंड से सावधान रहें।

हमारे देश को नुकसान पहुंचाना ही एकमात्र एजेंडा

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने फिर पाकिस्तान को सुनाया

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है। भारतीय राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से पाकिस्तान को घेरा है। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ फैलाने से लेकर जम्मू कश्मीर, आतंकवाद समेत 27वें संशोधन पर पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए कहा, हमारे देश (भारत) और हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाना पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा है। पाकिस्तान पहले ही ऑपरेशन सिंदूर पर झूठे दावे कर चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ का पर्दाफाश

हरीश ने कहा, 9 मई 2025 तक पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले करने की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई को अचानक पाक सेना ने भारतीय सेना से संपर्क किया और सीजफायर करने की गुजारिश की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए थे। टूटे हुए रनवे और जले हैंगर्स की तस्वीरें भी सार्वजनिक की गईं थीं।

जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग- हरीश- पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का सदन पाकिस्तान के लिए आतंकवाद को वैधता देने का मंच नहीं बन सकता है। भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है।

- **हरीश ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा-** पाकिस्तान के प्रतिनिधि सबकुछ सामान्य होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूं कि जब तक उनके देश में आतंकवाद है, तब तक कुछ भी सामान्य नहीं हो सकता है।

अमेरिका के बिना अपनी सुरक्षा नहीं कर सकता यूरोप

नाटो चीफ की दो टूक

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जा करने मंसूबों के कारण अमेरिका और यूरोप के सदियों पुराने रिश्ते में खटास आने लगी है। कई यूरोपिय देशों ने ट्रंप के प्लान को सिरे से खारिज कर दिया है। इसी बीच नाटो (द्ब्रञ्जह्र) के प्रमुख मार्क रूट्टे ने बड़ा बयान दिया है। मार्क रूट्टे का कहना है कि अमेरिकी सेना की सहायता के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता है। इसके लिए पूरे यूरोप को अपना रक्षा बजट दोगुना करना होगा।

नाटो प्रमुख ने क्या कहा?

मार्क रूट्टे के अनुसार, अगर यहां किसी को लगता है कि यूरोपियन यूनियन या पूरा यूरोप मिलकर बिना अमेरिका की मदद के खुद की सुरक्षा कर सकता है, तो आप सपनों की दुनिया में हैं। आप ये नहीं कर सकते हैं। यूरोप और अमेरिका, दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है। जुलाई 2025 में हेग में नाटो का सम्मेलन हुआ था, जिसमें सभी देशों ने अपनी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत हिस्सा रक्षा पर खर्च करने का संकल्प लिया था। वहीं, 2035 तक इसे बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकी

बता दें कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की ट्रंप की धमकी के बाद से ही नाटो में तनाव की स्थिति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड प्लान का समर्थन न करने वाले यूरोपिय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

ग्रीनलैंड नाटो देश डेनमार्क का हिस्सा है। अमेरिका भी नाटो का अहम सदस्य है। नाटो में कुल 32 देश शामिल हैं। नाटो के अनुच्छेद 5 के तहत किसी भी देश पर हमला सभी नाटो देशों पर हमला करने के बराबर है।

ट्रंप नहीं चाहते कि सड़कों पर किसी की जान जाए

मिनेसोटा गोलीबारी पर व्हाइट हाउस की सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। मिनेसोटा के मिनियापोलिस में संघीय एजेंटो द्वारा दो लोगों की हत्या के बाद बढ़ते तनाव पर अमेरिका की व्हाइट हाउस की ओर से बयान जारी किया गया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने शनिवार की घटना को त्रासदी बताते हुए स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अमेरिकी सड़कों पर हिंसा या जनहानि के पक्ष में नहीं हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप नहीं चाहते थे कि अमेरिकी सड़कों पर किसी को चोट पहुंचे, लेकिन मिनियापोलिस में अप्रवासी विरोधी एजेंटों द्वारा दो लोगों की हत्या के बाद उन्होंने तुरंत फिर से डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराया।

हम शोक व्यक्त करते हैं

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने पत्रकारों से कहा राष्ट्रपति ट्रंप समेत व्हाइट हाउस में कोई भी नहीं चाहता कि अमेरिका की सड़कों पर लोग घायल हों या मारे जाएं। हम माता-पिता के लिए शोक व्यक्त करते हैं। स्वयं एक मां होने के नाते, मैं निश्चित रूप से जीवन की हानि की कल्पना नहीं कर सकती। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने तुरंत प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी को उस अशांति के लिए दोषी ठहराया, जो ट्रंप द्वारा मिनियापोलिस में आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के माध्यम से कार्रवाई बढ़ाने के आदेश के बाद से फैली हुई है, जिसमें स्थानीय लोगों की इच्छा के विरुद्ध नकाबपोश और सशस्त्र एजेंटों को बलपूर्वक तैनात किया गया है।

दिल्ली दरबार में एमपी कांग्रेस की सख्त समीक्षा, संगठन को धार देने के निर्देश, उमंग सिंघार बोले- हर कदम पर हो रही निगरानी

भोपाल। दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान की अहम बैठक हुई, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी शामिल हुए। इस बैठक में जिलाध्यक्षों के कामकाज की विस्तार से समीक्षा की गई और संगठन सृजन के तहत की गई नियुक्तियों पर रिपोर्ट ली गई। आलाकमान ने साफ निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए जल्द से जल्द जिला कार्यकारिणियों का गठन किया जाए और पार्टी की गतिविधियों में तेजी लाई जाए। यह बैठक जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद पहली औपचारिक समीक्षा मानी जा रही है। कांग्रेस नेतृत्व ने मध्यप्रदेश संगठन को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब केवल बैठकों से काम नहीं चलेगा, बल्कि सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर जनता के मुद्दों को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाना होगा। आलाकमान ने कहा कि प्रदेश की जनता से जुड़े हर सवाल पर कांग्रेस को मुखर होकर सामने आना चाहिए और संगठन में अनुशासन व कसावट लाना समय की जरूरत है। कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश

अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों को दिल्ली बुलाकर संगठनात्मक दिशा स्पष्ट की। बैठक में यह भी कहा गया कि जिलास्तर पर मजबूत कार्यकारिणी के बिना चुनावी तैयारी अधूरी रहेगी, इसलिए जिला कार्यकारिणियों के गठन में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बैठक को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान मध्यप्रदेश को लेकर पूरी तरह सतर्क है और प्रदेश में संगठन के कामकाज की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संगठन का ढांचा तेजी से तैयार होगा, वैसे-वैसे कांग्रेस चुनाव के लिए मजबूती से तैयार होती जाएगी। उमंग सिंघार ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी में सभी नेता एकजुट होकर काम कर रहे हैं और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर किसी तरह का मतभेद नहीं है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस की अगली बड़ी बैठक 28 जनवरी को फिर से दिल्ली में होने जा रही है, जिसमें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस बैठक में संगठन विस्तार, आगामी रणनीति और सरकार को घेरने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। दिल्ली में हुई यह बैठक साफ संकेत दे रही है कि कांग्रेस अब मध्यप्रदेश में संगठन को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ चुकी है।

एमपी प्रमोशन में आरक्षण पर हाईकोर्ट के कड़े सवाल, नई पॉलिसी पर सरकार से जवाब तलब, 3 फरवरी को अगली सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण का मामला एक बार फिर अहम मोड़ पर आ गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में इस मामले पर अजाक्स (अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ) और सपाक्स (सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था) के बीच जिरह पूरी हो गई है। इसके बाद अब अदालत ने राज्य सरकार से नई प्रमोशन पॉलिसी पर जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है। इस महत्वपूर्ण मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को तय की गई है। माना जा रहा है कि सरकार का जवाब आने के बाद हाईकोर्ट इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख सकता है, जिसका असर प्रदेश के लाखों कर्मचारियों पर पड़ेगा।

नई पॉलिसी पर हाईकोर्ट के कड़े सवाल- सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की नई प्रमोशन पॉलिसी को लेकर कई अहम सवाल उठाए। अदालत ने सरकार से स्पष्ट रूप से बताने को कहा है कि इस नई नीति में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन कहां और कैसे किया गया है। कोर्ट ने विशेष रूप से 'आरबी राय' मामले का जिक्र करते हुए पूछा कि उस फैसले में बताई गई कमियों को इस नई पॉलिसी में कैसे दूर किया गया है। अदालत ने यह भी जानना चाहा है कि पुरानी प्रमोशन पॉलिसी की किन खामियों को सुधारकर यह नई नीति तैयार की गई है। इन सवालों ने सरकार के लिए स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

सपाक्स ने पेश किए ग्रेडेशन के आंकड़े- इससे पहले, बहस के दौरान सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे सपाक्स ने कर्मचारियों के ग्रेडेशन से जुड़े आंकड़े हाईकोर्ट के सामने पेश किए। सपाक्स ने अपनी दलील में दावा किया कि कई विभागों में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों की संख्या पहले से ही काफी अधिक है। इन आंकड़ों के जरिए उन्होंने प्रमोशन में आरक्षण की नीति का विरोध किया। वहीं, अजाक्स ने आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के अधिकारों की पैरवी की।

सरकार के जवाब पर टिका फैसला- दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें राज्य सरकार के जवाब और हाईकोर्ट के अगले कदम पर टिकी हैं। 3 फरवरी को होने वाली सुनवाई इस मामले में निर्णायक साबित हो सकती है। यदि सरकार संतोषजनक जवाब दाखिल करती है तो प्रमोशन का रास्ता खुल सकता है, अन्यथा यह मामला और लंबा खिंच सकता है।

खंडवा में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, क्लब हाउस की छत से 2 टन विस्फोटक जब्त, पूर्व यूथ कांग्रेस नेता का नाम आया सामने

खंडवा। खंडवा जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के बाहर एक सुनसान कॉलोनी में चल रही अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस छापेमारी में पुलिस ने करीब दो टन बारूद, सल्फर और अन्य विस्फोटक सामग्री जब्त की है। यह अवैध कारखाना सम्यक गोल्ड कॉलोनी के क्लब हाउस की छत पर चलाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एक पिकअप वाहन चालक को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है, जिसका नाम पूर्व यूथ कांग्रेस पदाधिकारी से जुड़ रहा है। यह कार्रवाई कोतवाली थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर की।

सुनसान जगह पर चल रहा था अवैध कारोबार- पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहर के बाहर सम्यक गोल्ड कॉलोनी में अवैध रूप से विस्फोटक जमा किया गया है। इस सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी प्रवीण आर्य के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। टीम जब वहां पहुंची, तो क्लब हाउस के पास एक पिकअप वाहन खड़ा मिला, जिसमें बड़ी मात्रा में बारूद, सुतली बम बनाने की सामग्री, सल्फर और अन्य केमिकल भरे हुए थे। जांच में पता चला कि यह कॉलोनी करीब 15 साल पहले विकसित हुई थी, लेकिन फिलहाल यह पूरी तरह से वीरान है। यहां न तो बिजली का कनेक्शन है और न ही लोगों की आवाजाही। इसी का फायदा उठाकर आरोपी यहां अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

पूर्व यूथ कांग्रेस नेता का नाम आया सामने- पुलिस ने मौके से पिकअप वाहन के चालक को हिरासत में ले लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जांच में इस मामले का मुख्य आरोपी प्रोफेसर इमरान परयानी को बताया जा रहा है, जो पूर्व में यूथ कांग्रेस का प्रदेश प्रवक्ता रह चुका है। पुलिस को मौके से एक स्कूटी भी मिली है, जो इमरान परयानी की बताई जा रही है। इसके अलावा, राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार जिस जमीन पर यह कॉलोनी बनी है, वह पूर्व मंत्री हीरालाल सिलावट के बेटे यशवंत सिलावट के नाम पर दर्ज है। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस, टीम को इनाम- एसपी मनोज कुमार राय के अनुसार, मुख्य आरोपी इमरान परयानी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है। एसपी ने इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को 10 हजार रुपये का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है।

जबलपुर में रिटायर्ड महिला डॉक्टर के अपहरण का सनसनीखेज आरोप, करोड़ों की संपत्ति पर नजर या साजिशन उठा ले गए...?

जबलपुर। एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक रिटायर्ड महिला डॉक्टर के कथित अपहरण का आरोप लगा है। आरोप है कि कुछ लोग 70 वर्षीय रिटायर्ड डॉक्टर को उनके घर से जबरन उठाकर कार में बैठाकर ले गए। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया है और लोगों की नजर इस बात पर टिक गई है कि कहीं यह पूरा घटनाक्रम महिला डॉक्टर की करोड़ों की संपत्ति को लेकर तो नहीं रचा गया। जानकारी के अनुसार रिटायर्ड महिला डॉक्टर हेमलता श्रीवास्तव जबलपुर के राइट टाउन क्षेत्र में स्थित अपने बंगले में अकेली रहती थीं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग उन्हें जबरन कार में बैठाकर ले जा रहे हैं। जब इस दौरान डॉ. मुखर्जी ने उन्हें रोकने की कोशिश की और आपत्ति जताई, तो आरोप है कि उनके साथ भी बदतमीजी की गई। महिला डॉक्टर को अपने साथ ले जाने वाले लोगों ने खुद को एक बड़े मंदिर से जुड़ा हुआ बताते हुए दबाव बनाने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि रिटायर्ड महिला डॉक्टर की संपत्ति काफी बेशकीमती है और इसी पर कुछ लोगों की नजर लंबे समय से थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी वजह से उन्हें साजिश के तहत घर से उठाया गया। इस मामले को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी गंभीर चिंता जताई है और अपहरण की आशंका को लेकर पुलिस को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई की मांग की है। परिवारिक स्थिति को लेकर भी चिंताजनक जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि महिला डॉक्टर के पति का करीब एक महीने पहले निधन हो चुका है, जबकि कुछ साल पहले उनके इकलौते डॉक्टर बेटे की भी मौत हो गई थी।

शंकराचार्य विवादः उमा भारती ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का किया समर्थन, प्रशासन की भूमिका पर उठाए सवाल

भोपाल। उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य पद को लेकर उठे विवाद पर मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने चुप्पी तोड़ते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी संत से शंकराचार्य होने का सबूत मांगना प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह मर्यादाओं का उल्लंघन है। उमा भारती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा है कि शंकराचार्य पद की मान्यता तय करने का अधिकार सिर्फ शंकराचार्य परंपरा और विद्वत परिषद को है..न कि प्रशासनिक अधिकारियों को। उन्होंने अपनी पोस्ट में सीएम योगी के दफ्तर को टैग करते हुए कहा है कि प्रशासन द्वारा इस तरह का प्रमाण मांगना न सिर्फ अनुचित है, बल्कि धार्मिक परंपराओं में अनावश्यक हस्तक्षेप भी है।

क्या है मामला– यह विवाद प्रयागराज में माघ मेले के दौरान सामने आया जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को गंगा स्नान और धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान प्रशासन की ओर से आपत्ति का सामना करना पड़ा। मेला प्रशासन ने उनसे 'शंकराचार्य होने का प्रमाण' प्रस्तुत करने को कहा था। स्थानीय प्रशासन का कहना था कि शंकराचार्य पद से जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन है इसलिए आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इस कार्रवाई को धार्मिक स्वतंत्रता और सनातन परंपरा का अपमान बताया। इसके विरोध में उन्होंने धरना और अनशन की घोषणा की तथा प्रशासन से सार्वजनिक रूप से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि शंकराचार्य पद की परंपरा सदियों पुरानी है और इसकी वैधता तय करने का अधिकार किसी सरकारी अधिकारी को नहीं है।

उमा भारती ने किया का समर्थन– इस मामले पर अब बीजेपी की वरिष्ठ नेता उमा भारती स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में सामने आ गई हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 'शंकराचार्य होने का सबूत' मांगे जाने को गलत बताते हुए इसे प्रशासन की मर्यादा और अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करार दिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा है कि 'मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा। किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है। यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है।' इस तरह उमा भारती ने इस मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन करते हुए स्थानीय प्रशासन के प्रति अपनी नाराजगी जताई है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर मध्यप्रदेश में सियासी घमासान, सवर्ण समाज का विरोध तेज, सपाक्स सड़क पर उतरी

भोपाल। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को लेकर मध्यप्रदेश में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। इस मुद्दे पर सवर्ण वर्ग में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। राजधानी भोपाल में सपाक्स पार्टी के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया, जहां प्रदर्शनकारियों ने नए नियमों को भेदभावपूर्ण बताते हुए उन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि यह नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ अन्याय करने वाला है। भोपाल के सात नंबर इलाके में हुए इस प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियम लागू होने से सवर्ण वर्ग के छात्रों पर शोषण बढ़ेगा और उनके अधिकारों का हनन होगा। प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि इस तरह के नियम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उनका आरोप है कि यह कानून समाज के एक वर्ग को विशेष लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया है, जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों की समस्याओं और भविष्य की अनदेखी की जा रही है। सपाक्स पार्टी ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियम पूरी तरह भेदभाव पर आधारित हैं और इससे एक विशेष वर्ग को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों को नुकसान उठाना पड़ेगा। सपाक्स नेताओं ने कहा कि यह नियम न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ हैं और यदि सरकार ने इन्हें वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। मामले ने राजनीतिक रंग भी पकड़ लिया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि देश में अनेक वर्ग रहते हैं और किसी भी कानून को बनाते समय सभी वर्गों की राय लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार अक्सर संवाद और चौपाल की बात करती है, लेकिन जब कानून बनाने का समय आता है, तो आम जनता और विभिन्न वर्गों की राय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। उमंग सिंघार ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी ग्राम सभाओं और संवाद अभियानों की बात करती है, लेकिन ऐसे संवेदनशील कानूनों के समय यह प्रक्रिया कहीं नजर नहीं आती। नेता प्रतिपक्ष के बयान पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि देश की संसद में हर कानून पर विस्तृत चर्चा होती है। संसद सदस्य जनता के प्रतिनिधि होते हैं और बहस के बाद जब कोई विधेयक पारित होता है, तो उसे जनता की राय ही माना जाता है।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ इंदौर में भारी विरोध: करणी सेना ने हनुमान चालीसा पाठ कर जताया आक्रोश, छात्रों ने विश्वविद्यालय में किया विरोध, 1 फरवरी को इंदौर बंद का ऐलान

इंदौर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए नए नियमों के विरोध में देशभर की तरह मध्यप्रदेश के इंदौर में भी विरोध तेज हो गया है। उच्च शिक्षा में लागू किए गए नए प्रावधानों को भेदभावपूर्ण और छात्रों के अधिकारों पर हमला बताते हुए सवर्ण समाज के छात्रों और करणी सेना ने सड़कों पर विरोध दर्ज कराया। करणी सेना ने सार्वजनिक स्थानों पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर सरकार और आयोग से नियम वापस लेने की मांग की। वहीं, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के गेट पर छात्रों ने नारेबाजी के साथ काले कानून का प्रतीकात्मक पुतला दहन भी किया।

समाज में नाराजगी के स्वर तेज, छात्रों ने DAVV में किया विरोध– कारण यह है कि यूजीसी का नया नियम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने और समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बताया जा रहा है, लेकिन विरोध करने वाले वर्ग इसे योग्यता और समानता के सिद्धांतों के खिलाफ मान रहे हैं। करणी सेना के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह नियम समाज में नए प्रकार के भेदभाव को जन्म देगा और सवर्ण समाज सहित कई वर्गों के छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा। इंदौर में विरोध का स्वर तेज होने के साथ ही डीएवीवी के गेट पर छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलपति को यूजीसी के चेयरमैन के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नए नियमों को तुरंत वापस लेने की मांग की गई और चेतावनी दी गई कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा। छात्रों ने कहा कि नए नियमों से उनकी पढ़ाई, करियर और शैक्षणिक समानता पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा और मानसिक दबाव बढ़ेगा।

आंदोलन आगे बढ़ेगा, 1 फरवरी को इंदौर बंद का ऐलान– श्री करणी सेना प्रमुख अनुराग प्रताप सिंह राघव ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी समाज के छात्रों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूजीसी का नया नियम छात्रों पर मानसिक और शैक्षणिक दबाव बढ़ाएगा और उनके भविष्य को अंधकारमय बना सकता है। आंदोलन के अगले चरणों की घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि 1 फरवरी को इंदौर बंद का आह्वान किया जाएगा और 2 फरवरी को इंदौर सांसद के निवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने सभी छात्र संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों से इस मुद्दे पर समर्थन देने की अपील की है, ताकि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और मजबूती मिल सके।

थाने के अंदर भिड़े दो पक्ष, धक्का-मुक्की और गाली-गलौज का वीडियो वायरल, टीआई बोले- 'मारपीट दिख ही नहीं रही'

इंदौर। पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक मामला सामने आया है। द्वारकापुरी थाना परिसर के अंदर हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में थाने के भीतर ही दो पक्षों के बीच तीखा विवाद, धक्का-मुक्की और खुलेआम गाली-गलौज होती साफ दिखाई दे रही है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा घटनाक्रम उसी जगह हुआ, जहां कानून का पालन सबसे सख्ती से होना चाहिए। वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से उलझ रहे हैं, एक-दूसरे को धक्का दे रहे हैं और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आसपास मौजूद लोग माहौल शांत कराने की कोशिश करते दिखते हैं, लेकिन स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी रहती है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब थाने के अंदर ही इस तरह का हंगामा हो रहा है, तो आम जगहों पर कानून व्यवस्था का क्या हाल होगा। इस मामले में जब द्वारकापुरी थाना प्रभारी मनीष मिश्रा से फोन पर बात की गई, तो उन्होंने वीडियो में मारपीट होने से इनकार कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि वीडियो में कहीं भी स्पष्ट रूप से मारपीट होती हुई दिखाई नहीं दे रही है। उनके अनुसार दोनों पक्ष पहले से आपसी विवाद के चलते थाने पहुंचे थे। एक पक्ष का आरोप था कि दूसरे लोग पास बैठकर नशा करते हैं, जबकि दूसरे पक्ष का कहना था कि वे केवल रास्ते से गुजर रहे थे और इसी दौरान विवाद हो गया। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि दोनों पक्षों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है और दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, उनका यह बयान अब खुद सवालों के घेरे में आ गया है। वायरल वीडियो में जो माहौल दिखाई दे रहा है, वह सामान्य कहासुनी से कहीं ज्यादा गंभीर प्रतीत होता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि थाना प्रभारी ने मीडिया से ही वीडियो में मारपीट के 'सबूत' पूछ लिए। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि जब विवाद थाना परिसर के भीतर हुआ, तो मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने क्या देखा, क्या दर्ज किया और तत्काल क्या कार्रवाई की। क्या थाने के अंदर हुई इस घटना की जिम्मेदारी केवल दोनों पक्षों पर डालकर मामला खत्म कर दिया जाएगा, या फिर थाना स्तर पर भी जवाबदेही तय होगी।

MPPSC कार्यालय के सामने बेरोजगार छात्रों का धरना, नियुक्तियों की मांग को लेकर चार दिन से प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर के रेजिडेंसी क्षेत्र स्थित मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के सामने सैकड़ों बेरोजगार छात्र पिछले चार दिनों से कड़ाके की ठंड में रोजगार और नियुक्तियों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि वे लंबे समय से चयन और नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। मंगलवार को छात्रों ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार बीते कई वर्षों से 700 से अधिक पदों पर भर्तियां निकालने का आश्वासन देती आ रही है। एमपीपीएससी की परीक्षाएं देने वाले हजारों छात्र अपने चयन की प्रतीक्षा में हैं, लेकिन हर साल मात्र 165 से 170 पदों पर ही भर्तियां निकल रही हैं। वहीं, परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों

की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है, जिससे बेरोजगारी की समस्या और गंभीर होती जा रही है। छात्रों ने कहा कि इससे पहले भी उन्होंने धरना-प्रदर्शन किया था, जिसे तत्कालीन कलेक्टर के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया था। उस समय भरोसा दिलाया गया था कि जल्द ही लंबित पदों पर नियुक्तियां दी जाएंगी, लेकिन आज तक न तो नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं और न ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा किया गया है। छात्रों का आरोप है कि उन्हें न तो कॉपियां जांचे जाने की जानकारी दी गई और न ही परिणामों को लेकर कोई स्पष्टता दिखाई गई। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने 26 जनवरी को निकाली गई तिरंगा यात्रा का भी जिक्र किया। उनका आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने उन्हें जबरन रोक लिया, उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और तिरंगा झंडा भी छीन लिया गया। छात्रों का कहना है कि उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया, मानो वे किसी अपराध में शामिल हों, जबकि वे केवल शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रख रहे थे। छात्रों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि युवा वर्ग ही सरकार को सत्ता में बैठाता है और वही अपनी आवाज उठाकर बदलाव भी ला सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी कुल दस मांगें हैं, लेकिन सबसे प्रमुख मांग रोजगार और समयबद्ध नियुक्तियों की है। छात्रों का आरोप है कि सरकार बार-बार आश्वासन तो देती है, लेकिन नियुक्तियां देने में गंभीरता नहीं दिखा रही है, जिसके कारण उन्हें बार-बार आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने साफ कहा कि यदि इस आंदोलन के बाद भी उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे प्रदेशव्यापी धरना और आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे।

प्लॉट न देना सेवा में गंभीर कमी : जय हिंद गृह निर्माण संस्था पर उपभोक्ता आयोग सख्त

इंदौर। प्लॉट आवंटन के नाम पर उपभोक्ता से राशि वसूलने और वर्षों तक प्लॉट नहीं देने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, इंदौर-2 ने जय हिंद गृह निर्माण सहकारी संस्था के खिलाफ कड़ा फैसला सुनाया है। आयोग ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत सेवा में गंभीर कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार मानते हुए संस्था को उपभोक्ता को ब्याज सहित राशि लौटाने और मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। यह आदेश 19 जनवरी 2026 को पारित किया गया।

मामला और आयोग की टिप्पणी– परिवादी विजय कुमार मंगल ने आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी कि जय हिंद गृह निर्माण संस्था ने उन्हें आम्रपाली नगर, इंदौर में 30म50 फीट आकार का प्लॉट क्रमांक 175 आवंटित करने का आश्वासन दिया था। इसके लिए संस्था ने अलग-अलग तिथियों में उनसे लगभग 57 हजार रुपये की राशि जमा करवाई। इसके बावजूद न तो प्लॉट का कब्जा दिया गया और न ही वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। कई वर्षों तक संपर्क करने के बाद भी संस्था की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिससे परिवादी को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग की पीठ में सदस्य लालजी तिवारी ने संस्था की दलीलों और प्रस्तुत दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि उपभोक्ता से राशि लेने के बाद भी प्लॉट न देना उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत सेवा में गंभीर कमी है। साथ ही उपभोक्ता को लंबे समय तक भ्रमित रखना और उसकी राशि रोककर रखना अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

एसएआर प्रक्रिया में दिक्कतों को लेकर बीएलओ का प्रदर्शन

रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

इंदौर। मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर चुनाव आयोग द्वारा लागू की गई एसएआर (स्पेशल एब्स्ट्रैक्ट रिवीजन) प्रक्रिया के दौरान आ रही व्यावहारिक समस्याओं के विरोध में इंदौर जिले के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। बीएलओ का कहना है कि वर्तमान प्रक्रिया के तहत काम करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया है और वे लगातार दबाव व असहज परिस्थितियों में कार्य करने को मजबूर हैं। बीएलओ ने बताया कि चुनाव आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है, ताकि कोई भी मतदाता अलग-अलग स्थानों पर एक से अधिक बार मतदान न कर सके और जहां वह निवास करता है, वहीं मतदान करे। इसी उद्देश्य से देशभर में एसएआर प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम जोड़े और हटाए

जा रहे हैं। नियमों के अनुसार बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल एक महिला बीएलओ ने बताया कि बार-बार एक ही पते पर जाने के कारण स्थानीय लोगों का विरोध झेलना पड़ता है। कई बार लोग नाराज होकर अपशब्द कहते हैं और दोबारा न आने की चेतावनी देते हैं, जिससे उन्हें अपमानित महसूस होता है। उन्होंने कहा कि लगातार दबाव में काम करने के कारण मानसिक तनाव बढ़ रहा है और कार्य सुचारू रूप से करना मुश्किल हो गया है। बीएलओ का कहना है कि मौजूदा प्रक्रिया जटिल है, जिसके चलते कई स्थानों पर एक ही घर या इलाके में बार-बार जाना पड़ता है। इससे न केवल समय और संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि आम नागरिकों में भी असंतोष पैदा होता है। बीएलओ ने चुनाव आयोग से मांग की है कि एसएआर प्रक्रिया को और अधिक सरल व व्यावहारिक बनाया जाए, ताकि मतदाता सूची का काम बिना तनाव और टकराव के पूरा किया जा सके। रैली के बाद बीएलओ प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने प्रशासन से भी अपेक्षा जताई कि उनकी सुरक्षा, सम्मान और कार्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तर पर समाधान के लिए पहल की जाएगी। बीएलओ ने स्पष्ट किया कि वे चुनाव आयोग के कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन प्रक्रिया में सुधार न होने पर काम करना लगातार कठिन होता जाएगा। प्रशासन से उन्हें सकारात्मक समाधान की उम्मीद है।

वार्ड 32 में 'संकल्प से समाधान' शिविर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, कई मामलों में मौके पर समाधान

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र-2 के वार्ड क्रमांक 32 में मंगलवार को आयोजित 'संकल्प से समाधान' शिविर में जनसंवाद का सशक्त और प्रभावी रूप देखने को मिला। अन्य शिविरों की तरह इस शिविर में भी महापौर पुष्यमित्र भार्गव स्वयं उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में मौजूद नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में स्थानीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, क्षेत्र के वरिष्ठ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी वर्मन, पार्षद श्रीमती पूजा पाटीदार, पार्षद मनोज मिश्रा, महापौर प्रतिनिधि महेंद्र ठाकुर, वार्ड 34 के पार्षद पति संजय चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। नागरिकों को संबोधित करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 12 जनवरी से 31 मार्च तक तीन चरणों

में प्रदेशभर में 'संकल्प से समाधान' शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, विशेषकर गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक। महापौर ने बताया कि वृद्धा पेंशन, कल्याणी योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं। साथ ही नगर निगम से जुड़े नल कनेक्शन, जल निकासी, बिल्डिंग परमिशन, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे विषयों पर भी नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान महिलाओं ने आंगनवाड़ी भवन की अनुमति न मिलने की समस्या रखी। महापौर ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिला अधिकारी से मौके पर ही फोन पर चर्चा की और शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। त्वरित कार्रवाई से उपस्थित नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया।

सफाई व्यवस्था पर सख्त निर्देश- रहवासियों ने सड़क सफाई और खाली प्लॉटों पर कचरा फेंके जाने की शिकायत भी रखी। इस पर महापौर ने सीएसआई को मौके पर जाकर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए और कहा कि सड़कों पर सफाई की स्थिति बेहतर दिखाई देनी चाहिए। साथ ही खाली प्लॉटों पर कचरा डालने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। शिविर में समस्याओं के त्वरित निराकरण और अधिकारियों की जवाबदेही ने यह स्पष्ट कर दिया कि 'संकल्प से समाधान' केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं, बल्कि समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। नागरिकों ने महापौर के सीधे संवाद और मौके पर लिए गए निर्णयों की सराहना की।

वीरेंद्र यादव ने प्रगतिशील साहित्यिक आलोचना का विकास किया – स्मृति सभा में वक्ताओं ने कहा

इंदौर। प्रेमचंद साहित्य के अध्येता, अन्वेषक, लेखक और मार्क्सवादी समालोचक वीरेंद्र यादव प्रगतिशील मूल्यों में विश्वास रखने वाले थे। वे प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष मंडल के सदस्य भी थे। जन सरोकारों से जुड़े श्री यादव लेखकों से अपेक्षा रखते थे कि वे सामाजिक राजनीतिक विसंगतियों पर एक्टिविस्ट के रूप में भी सक्रिय रहें। ये विचार प्रलेसं के राष्ट्रीय सचिव विनीत तिवारी ने व्यक्त किए। वे हाल ही में वीरेंद्र यादव एवं अन्य लेखकों के निधन पर प्रगतिशील लेखक संघ इंदौर इकाई द्वारा कल्याण जैन वाचनालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र यादव दलित लेखन के पक्षधर होने के साथ ही उसे

मार्क्सवादी दृष्टिकोण से परखने के हामी थे। उन्होंने नामवर सिंह से मतभेद भी निभाये और प्रेमचंद के लेखन पर हुए हमलों के विरोध में मोर्चा भी जमाया। आज के दौर में पुस्तकों पर परिचयात्मक और प्रशासत्मक टिप्पीकारों के बीच वीरेंद्र यादव एक दुर्लभ आलोचक थे जिन्होंने अकादमिक प्रशिक्षण न होते हुए भी आलोचना के शास्त्रीय उपकरणों का अध्ययन किया और आलोचना का विकास भी किया। श्री तिवारी ने मार्क्सवादी चेतना के लिए सक्रिय रहे प्रोफेसर राजेंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों के साथ साथ सभी लेखक संगठनों में समादृत थे। कहानीकार राजी सेठ, मूर्तिशिल्पकार राम वी सुतार, विनोद कुमार शुक्ल का चले जाना भी साहित्य- संस्कृति की बड़ी क्षति है। हरनाम सिंह ने प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में जबलपुर घोषणा पत्र को तैयार करने में वीरेंद्र यादव की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि घोषणा पत्र में कहा गया था कि संवैधानिक जनतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करना लेखकों का दायित्व है। सारिका श्रीवास्तव ने कहा कि श्री यादव में गलत को गलत कहने का साहस था। श्रद्धांजलि सभा में ज्ञानरंजन को भी याद किया गया। अशोक दुबे ने बताया कि निधन के एक दिन पहले ही ज्ञान जी से बात हुई थी। सभा का संचालन विवेक मेहता ने किया इस अवसर पर जया मेहता, अरविंद पोरवाल, फादर पियूष लाकरा, शरद शबल, श्रीमती मधु वेद अभय लोधी आदि उपस्थित थे।

इंदौर में ट्रैफिक प्रहरी अभियान को मिला सम्मान, 75 वर्षीय राजेंद्र तिवारी सहित चार प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर ने किया सम्मानित

इंदौर। इंदौर पुलिस द्वारा संचालित 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान के तहत जिम्मेदार नागरिकों की सहभागिता लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित किया। पुलिस कमिश्नर ने 75 वर्षीय राजेंद्र तिवारी की इस उम्र में भी सेवा भावना और समर्पण की विशेष रूप से सराहना की। उनके साथ निशा तिवारी, मनीष गंगसार और सुरेंद्र चौहान को भी उत्कृष्ट सेवा के लिए शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अभियान से हाल ही में जुड़े नए ट्रैफिक प्रहरियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें कैप, जैकेट, गिफ्ट, सिटी, लाइट बैटन और बैज वितरित किए गए। पुलिस कमिश्नर ने इन नागरिकों द्वारा समाजहित में दी जा रही स्वैच्छिक सेवा की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैफिक प्रहरी अभियान के माध्यम से अब तक 2895 जागरूक और जिम्मेदार नागरिक पुलिस के साथ जुड़ चुके हैं। ये ट्रैफिक प्रहरी अपनी सुविधानुसार शहर के विभिन्न चौराहों और मार्गों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग कर रहे हैं, जिससे ट्रैफिक पुलिस को सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर यातायात नियमों के पालन और जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन को यातायात प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है, ताकि शहर में सुरक्षित और सहज यातायात व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके। ट्रैफिक प्रहरी बनने के इच्छुक नागरिक दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर गूगल फॉर्म भर सकते हैं और अपनी सुविधानुसार समय व स्थान का चयन कर सेवा दे सकते हैं। ट्रैफिक प्रहरी के माध्यम से नागरिक न केवल पुलिस की सहायता कर रहे हैं, बल्कि समाज में यातायात नियमों के पालन के प्रति सकारात्मक संदेश भी फैला रहे हैं।

इंदौर में 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान, पुलिस कमिश्नर ने वाहन चालकों को किया जागरूक

इंदौर। सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान के तहत मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को पलासिया चौराहे पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने दोपहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हमेशा हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और जान-माल की हानि का सबसे बड़ा कारण लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी है, जिसे हेलमेट जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम से काफी हद तक रोका जा सकता है। अभियान के तहत ऐसे वाहन चालकों को, जिनके पास वाहन के सभी वैध दस्तावेज मौजूद थे, हेलमेट वितरित किए गए। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों का पहले नियमानुसार चालान किया गया, इसके बाद उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट भी प्रदान किए गए। कई वाहन चालकों ने स्वीकार किया कि वे पहले किसी दुर्घटना का अनुभव कर चुके हैं, जबकि कुछ ने पुलिस के इस अभियान से प्रेरित होकर हेलमेट को अपनाने का संकल्प लिया। इसके अलावा, जो दोपहिया वाहन चालक स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर आए थे, उन्हें जिम्मेदार नागरिक मानते हुए पुलिस कमिश्नर एवं अधिकारियों द्वारा सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए गए और उनकी सराहना की गई। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात डिजिटल स्क्रीन पर सड़क दुर्घटनाओं और सुरक्षा नियमों से जुड़े वीडियो भी दिखाए गए, ताकि लोग हादसों की गंभीरता को समझ सकें। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इंदौर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए आमजन की सहभागिता बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से लगातार नए-नए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि वाहन चालक स्वेच्छा से नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं यातायात नियमों का पालन करेंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे।

सेब को छिलकर खाने की बजाएं छिलके समेत खाने से आपकी कई बीमारियां दूर हो सकती है

सेब खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कुछ लोग सेब को छिलकर खाना पंसद करते है लेकिन इससे सेब के सारे जरूरी न्यूट्रिन निकल जाते है। सेब को छिलकर खाने की बजाएं छिलके समेत खाने से आपकी कई बीमारियां दूर हो सकती है और यह खाने में भी टेस्टी लगता है। आइए जानते है सेब को छिलके समेत खाने से शरीर को क्या फायदे होते है।

ब्लड शुगर

डायबिटिज का समस्यां वाले लोगों को सेब छिलके समेत खाना चाहिए। इसे ऐसे खाने से शुगर कंट्रोल में रहती है।

ब्रेन सेल

सेब को बिना छिले खाने से आपके ब्रेन सेल डैमेज नहीं होते है। इसके अलावा इसे ऐसे खाने से दिमाग भी तेज होता है।

आंखों में कैटरेक्ट

सेब का छिलका आपको आंखों में होने वाली कैटरेक्ट की बीमारी से बचाता है। नियमित सेब खाने से आपको यह बीमारी नहीं होती है।

पित्ते की पत्थरी

फाइबर के गुणों से भरपूर सेब का छिलका पित्त की थैली में जमा कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको स्टोन प्रॉब्लम से बचाता है।

दातों में सड़न

सेब का छिलका दातों में कैवटी को होने से रोकता है। इसके अलावा प्रैग्नेंसी में इसका सेवन करने से खून की कमी पूरी होती है।

कैंसर

कैल्शियम, इंजाइम, एंटी ऑक्सीडेंट और प्लेविनाइड के गुणों से भरपूर सेब का छिलका मोटापे को दूर करने के साथ-साथ लीवर, ब्रेस्ट और कोलोन कैंसर से बचाता है।

मटर छीलने के बाद छिलके फेंकने की मत करना गलती

ज्यादातर घरों में मटर छीलने के बाद उसके छिलके कूड़ेदान में फेंक दिए जाते हैं। माली का कहना है कि छिलके पौधों के लिए सबसे अच्छी और मुफ्त की खाद हैं। उन्होंने इस्तेमाल करने के अलग-अलग तरीके बताए हैं जो आपके गार्डन को हरा-भरा रखने में मदद करेंगे।

सर्दियों में मटर की सब्जी और परांठे सभी बड़े चाव से खाते हैं, लेकिन रसोई के कूड़े में सबसे ज्यादा हिस्सा मटर के छिलकों का ही होता है। लोग अक्सर इन्हें बेकार समझकर फेंक देते हैं, जबकि पौधों के लिए किसी महंगे फर्टिलाइजर से कम नहीं हैं। मटर के छिलके मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं और पौधों की ग्रोथ में मदद करते हैं।

गार्डनिंग एक्सपर्ट ऋह कुशवाह ने मटर के छिलकों को इस्तेमाल करने के कुछ ऐसे अनोखे तरीके बताए हैं जिनसे आप घर बैठे मुफ्त में खाद बना सकते हैं, पौधों को गर्मी से बचा सकते हैं और उनकी जड़ों को मजबूत कर सकते हैं। तो चलिए रसोई के इस 'वेस्ट' को 'बेस्ट' बनाने का तरीका बताते हैं।

जादुई लिक्विड फर्टिलाइजर

मटर के छिलके से लिक्विड फर्टिलाइजर बनाने के लिए एक से 2 लीटर पानी लें और उसमें 2 से 3 मुट्ठी मटर के छिलके डाल दें और 50 ग्राम गुड़ मिला दें। इससे छिलकों का अर्क निकलकर पानी में आ जाएगा। जब पानी का कलर बदल जाएं तो पानी को छान लें। इन छिलकों को भी फेंके नहीं बल्कि धूप में सुखा लें। वहीं मटर के छिलके के पानी में अब कुछ नहीं मिलाना है सीधे पौधे में डाल सकते हैं।

नए पौधे लगाने का तरीका

जब भी आप नया गमला तैयार करें या नया पौधा लगाएं, तो मटर के छिलकों का इस्तेमाल जरूर करें। गमले के सबसे निचले हिस्से में मटर के छिलकों की एक मोटी परत बिछा दें। इसके ऊपर अपनी मिट्टी डालें और फिर पौधा लगाएं। करीब 15 दिनों में छिलके अंदर ही अंदर डिकम्पोज होकर खाद बन जाएंगे, जो सीधे पौधे की जड़ों को ताकत देंगे।

गर्मियों के लिए मल्चिंग

मटर के छिलके या भिगोने के बाद बचाकर रखे छिलकों को भी सुखाकर स्टोर कर लें। गर्मी के दिनों में पौधों को बार-बार पानी देना पड़ता है तो आप सूखे मटर के छिलकों को मल्चिंग के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। गमले पर छिलकों की एक परत बना दें, इससे पौधों को धूप से बचाने में मदद मिलेगी।

किचन वेस्ट कंपोस्ट

अगर आप घर पर जैविक खाद बनाते हैं, तो मटर के छिलके उसमें जान डाल देते हैं। अपनी खाद वाली बाल्टी में प्याज, केले और अन्य सब्जियों के छिलकों के साथ मटर के छिलके भी डालें। ये छिलके नाइट्रोजन से भरपूर होते हैं, जो खाद बनने की प्रक्रिया को तेज करते हैं और आपकी खाद को ज्यादा ताकतवर बनाते हैं।

मिट्टी की बनावट में सुधार

मटर के छिलके जब मिट्टी में मिलते हैं, तो मिट्टी को सख्त होने से बचाते हैं। सूखे मटर के छिलकों को क्रश करके मिट्टी में मिलाने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती है। इससे जड़ों तक हवा और ऑक्सीजन आसानी से पहुंचती है, जिससे पौधा मरता नहीं है और तेजी से फैलता है।

सुखाकर पाउडर खाद बनाना

अगर गीले छिलके इस्तेमाल नहीं करना चाहते, तो पाउडर बनाकर भी रख सकते हैं। मटर के छिलकों को कड़ी धूप में सुखा लें और फिर मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को एक डिब्बे में भरकर रख सकते हैं। हर महीने अपने पौधों की मिट्टी में 2 चम्मच पाउडर डालें, यह एक स्लो-रिलीज खाद की तरह काम करेगा।

: T20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच पर बासित अली का बड़ा सुझाव

बहिष्कार नहीं, काली पट्टी बांधकर खेलें

नई दिल्ली/कराची, एजेंसी। अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महा-मुकाबले को लेकर बहस तेज हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने मैच के बहिष्कार की उठ रही मांगों का विरोध करते हुए एक अलग राय दी है। उनका कहना है कि पाकिस्तान को मैदान पर उतरना चाहिए, लेकिन विरोध स्वरूप काली पट्टी पहनकर खेलना चाहिए। राजनीति और क्रिकेट: बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर दुख जताते हुए कहा कि क्रिकेट अब सिर्फ 'जेंटलमैन गेम' नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह से 'राजनीतिक' हो चुका है। बहिष्कार पर सवालः उन्होंने कड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान को बहिष्कार ही करना है, तो वे 15 फरवरी के बड़े मैच का इंतजार क्यों कर रहे हैं?

अंडर-19 का उदाहरणः बासित ने सुझाव दिया कि यदि विरोध की मंशा इतनी ही गहरी है, तो इसकी शुरुआत 1 फरवरी को होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के भारत-पाकिस्तान मैच से ही क्यों नहीं की जाती?

भारतीय दोस्तों का मशविराः उन्होंने खुलासा किया कि उनके कुछ भारतीय दोस्तों ने भी उन्हें यही राय दी है कि सीनियर टीम के बजाय कदम अंडर-19 स्तर पर ही उठाया जाना चाहिए।

'बांग्लादेश' के फैसले पर भी उठाए सवाल

बासित अली ने क्रिकेट जगत में हाल के कुछ फैसलों की आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से बाहर करने के फैसले ने खेल को बहुत नुकसान पहुंचाया है। उनके अनुसार, 'इन फैसलों के साइड इफेक्ट्स (दुष्प्रभाव) अब दिखाई दे रहे हैं और क्रिकेट के भविष्य पर इसके लंबे समय तक असर पड़ेंगे।

टी20 विश्व कप से पहले इटली ने गजब कर दिया, पहली बार टेस्ट खेलने वाले देश को हराया

दुबई, एजेंसी। इटली की टीम पहली बार टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार है। उससे पहले टीम ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। टीम ने आयरलैंड को टी20 मुकाबले में हरा दिया है। आयरलैंड आईसीसी का फुल मेंबर है और टेस्ट क्रिकेट भी खेला है। इटली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार किसी टेस्ट प्लेइंग देश को हराया है। पहले खेलते हुए आयरलैंड ने दुबई में हुए मुकाबले में 154 रन बनाए। इटली ने आखिरी ओवर मैच लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि तीन मैचों की सीरीज को आयरलैंड ने 2-1 से अपने नाम कर लिया।

तीन छक्कों के साथ मैच फिनिश- इटली मैच को आखिरी ओवर में मैच जीतने के लिए 16 रन चाहिए थे। बैरी मैकर्टी के खिलाफ स्ट्राइक पर ग्रांट स्टीवर्ट थे। ओवर की पहली तीन गेंदों पर ही स्टीवर्ट ने तीन छक्के मारे और मैच खत्म कर दिया।

मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर ने रचा इतिहास

डब्ल्यूपीएल में जड़ा पहला शतक

- मुंबई इंडियंस का विशाल स्कोर- साइवर-ब्रंट की शानदार पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ब्रेक के दौरान उन्होंने कहा कि वह 90 के 'कर्स' से वाकिफ थीं और टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर फोकस कर रही थीं।
- पहला टी20 शतक, खास जश्न- यह शतक कई मायनों में खास रहा। नैट साइवर-ब्रंट का यह टी20 क्रिकेट में पहला शतक था, स्टैंड्स में मौजूद उनकी साथी और पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर कैथरीन साइवर-ब्रंट इस पल की गवाह बनीं।

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूपीएल 2026 में ऐतिहासिक लम्हा देखने को मिला, जब मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर नैट साइवर-ब्रंट ने विमेंस प्रीमियर लीग का पहला शतक जड़ दिया। यह कारनामा उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ किया और अपनी इस पारी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

डब्ल्यूपीएल को मिला पहला शतकवीर- वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेले गए मैच 16 में, टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत संभली हुई रही। नैट साइवर-ब्रंट ने पारी को संभालते हुए पहले 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 57 गेंदों में शतक जड़ दिया। इस पारी के साथ वह डब्ल्यूपीएल इतिहास में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं और टूर्नामेंट की रन लिस्ट में भी शीर्ष पर पहुंच गईं।

यह टीम 568 रनों से जीती मैच

गढ़ दिया इतिहास!

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार और मणिपुर के बीच रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का फाइनल मुकाबला बिहार में पटना में स्थित मोइन-उल-हक स्टेडियम में खेल गया। इस खिताबी मुकाबले में बिहार ने 568 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में ये अब तक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। मणिपुर के खिलाफ मिली रिकॉर्डतोड़ जीत के साथ ही बिहार की टीम अब प्लेट ग्रुप से निकलकर एक बार फिर से एलीट ग्रुप में प्रवेश कर चुकी है। अगले रणजी सीजन में बिहार एलीट ग्रुप में खेलती हुई नज़र आएगी। इस ऐतिहासिक जीत में बिहार की तरफ से कई खिलाड़ियों ने अहम रोल निभाया। इसमें कप्तान साकिबुल गनी, आयुष लोहारुका, बिपिन सौरभ, सूरज कश्यप, हिमांशु सिंह और पीयूष कुमार सिंह जीत के हीरो रहे।

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का कैसा रहा खिताबी मुकाबला

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप के खिताबी मुकाबले की पहली पारी में बिहार ने 522 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में मणिपुर की टीम 264 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में बिहार ने 119.3 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 505 रन बनाकर पारी घोषित की। इस पारी में पियूष कुमार सिंह ने दोहरा शतक जड़ते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। पियूष ने नाबाद 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली। दूसरी पारी खेलने उतरी मणिपुर की टीम महज 195 रन पर ही ऑल आउट हो गई। इस खिताबी मुकाबले में बिहार की टीम ने कुल 1,027 रन बनाए, जबकि मणिपुर 459 रन ही बना पाई। इस तरह बिहार की टीम ने 568 रनों से विशाल जीत दर्ज की।

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप 2025-26 में बिहार की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया. खिलाड़ियों के बेहतरीन और लगातार योगदान की बदौलत टीम ने दमखम दिखाते हुए एक बार फिर एलीट ग्रुप में अपनी जगह पक्की कर ली. इस सीजन में बिहार के लिए कप्तान साकिबुल गनी समेत 5 और खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनके नाम इस प्रकार हैं :-

आयुष लोहारुका बिहार की ओर से सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 6 मैचों में कुल 540 रन बनाए. इसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 226 रन रहा. बिपिन सौरभ ने पूरे सीजन में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खूब जलवा दिखाया. वो इस सीजन 14 छक्कों के साथ प्लेट ग्रुप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे. बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने पूरे टूर्नामेंट में जिम्मेदारी भरी पारियां खेलते हुए कई बार टीम को संकट से बाहर निकाला. गनी के बल्ले से 6 मैचों में कुल 329 रन निकले, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे. रणजी ट्रॉफी के डेब्यू सीजन पर सूरज कश्यप ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी. बिहार के लिए तीन मैचों में उन्हें पांच पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने कुल 247 रन बनाए. इसके साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी अपने नाम किए. पीयूष कुमार सिंह को इस सीजन में सिर्फ फाइनल मुकाबले में खेलने का मौका मिला. इस बड़े मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी पारी में 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली. हिमांशु सिंह ने बिहार की ओर से खेलते हुए इस सीजन सबसे ज्यादा विकेट अपने नाम किए. उन्होंने 6 मुकाबलों में 15 विकेट चटकाए और इस दौरान उन्होंने कुल 848 डॉट बॉल डालीं, जो टीम में सर्वाधिक रहीं.

इस्राइल-लेबनान जंग में पर्यावरण को भारी क्षति

हमलों से बाग-बगीचे राख, उजड़े वन्यजीव आवास, कृषि भूमि नष्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। सशस्त्र विद्रोही गुट हिज्बुल्ला के हमलों से उत्पन्न सुरक्षा खतरे के जवाब में की गई इस्राइली सैन्य कार्रवाई का प्रभाव केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दक्षिणी लेबनान का सामाजिक और प्राकृतिक ताना-बाना भी इसकी चपेट में आ गया। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और मानवीय संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार युद्ध में कृषि भूमि नष्ट हुई, जंगलों और जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचा, जबकि जल स्रोतों और मिट्टी में प्रदूषण बढ़ने से स्थानीय आबादी पर दीर्घकालिक खतरा पैदा हो गया। तेल भंडारण स्थलों, औद्योगिक ढांचे और ऊर्जा संयंत्रों को हुई क्षति ने समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संघर्ष भले ही सशस्त्र गुटों और राज्यों के बीच हो, लेकिन उसकी कीमत सबसे अधिक आम नागरिक ही चुकाते है।

21वीं सदी के बड़े युद्धों में है शुमार- अक्तूबर से नवंबर 2024 के बीच इस्राइली हवाई हमलों की संख्या 21वीं सदी में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक दर्ज किए गए हमलों में शामिल रही। इस संघर्ष में मानवीय क्षति भयावह रही। 4,000 से अधिक लोगों की मौत, 17,000 से ज्यादा घायल और लगभग 12 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए, लेकिन युद्ध का एक अपेक्षाकृत अनदेखा पहलू पर्यावरण पर पड़ा। उसका गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव है।

मिट्टी-पानी भी प्रभावित

दक्षिणी लेबनान आज भी युद्ध के ऐसे जख्म ढो रहा है, जो केवल इमारतों या सड़कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उसकी मिट्टी, जंगलों, पानी और जीवनयापन की पूरी संरचना को प्रभावित कर चुके हैं। नवंबर 2024 में नाममात्र के संघर्षविराम के एक साल बाद भी, इस क्षेत्र में पर्यावरणीय तबाही के निशान साफ दिखाई देते हैं। एवोकाडो के बाग पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। किसान बताते हैं कि मधुमक्खियों के छत्ते नष्ट हो गए हैं, जिससे उन हजारों परिवारों की आजीविका भी उजड़ गई है जो इन पर निर्भर थे।

बिना फटे बमों से खतरा बरकरार

इस्राइली हमलों से खेतों और जंगलों में भीषण आग लगी, जबकि शेल के टुकड़े और बिना फटे बम अब भी जमीन में दबे हुए हैं। इनसे खतरा बरकरार है। ये दृश्य बड़े पैमाने की पारिस्थितिक तबाही का संकेत हैं। खेत, जैतून के बाग और देवदार व चीड़ के जंगल बड़े पैमाने पर जल गए। जल संसाधन प्रदूषित हुए, पाइपलाइन और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियां नष्ट हो गईं, और विस्फोटकों व मलबे ने जहरीली धूल तथा खतरनाक रसायनों की एक लंबी लकीर छोड़ दी। वर्ल्ड बैंक के एक आकलन के अनुसार इस नुकसान की मरम्मत के लिए 11 से 14 अरब अमेरिकी डॉलर तक की लागत वाला बहुवर्षीय पुनर्निर्माण कार्यक्रम आवश्यक होगा।

किसी भी हमले को माना जाएगा पूर्ण युद्ध

ईरान की ट्रंप को कड़ी चेतावनी; कहा- देंगे सख्त जवाब

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि तेहरान पर किसी भी तरह के हमले को वह अपने खिलाफ 'पूर्ण युद्ध' मानेगा। ईरान ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में वह हमले का बेहद सख्त जवाब देगा। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी युद्धपोतों का एक बड़ा बेड़ा हिंसा से जूझ रहे मध्य पूर्वी देश की ओर रवाना किया जा रहा है।

बातचीत में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार अमेरिका से लगातार मिल रही सैन्य धमकियों का हरसंभव तरीके से जवाब देगी। अधिकारी ने साफ शब्दों में कहा कि चाहे हमला सीमित हो, व्यापक हो या किसी भी नाम से किया जाए, ईरान उसे पूर्ण युद्ध मानेगा।

जंग को निपटाने के लिए देंगे कड़ा जवाब- ईरान- ईरानी अधिकारी ने कहा, 'इस बार किसी भी तरह के हमले को हम अपने खिलाफ पूरी जंग समझेंगे और उसे निपटाने के लिए सबसे कड़ा जवाब देंगे।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन और तीन विध्वंसक जहाज, जो टॉमहॉक मिसाइलों से लैस हैं, मध्य पूर्व भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी वायुसेना ने भी एक दर्जन एफ-15ई लड़ाकू विमान क्षेत्र में तैनात किए हैं।

ईरान के हिंसक प्रदर्शन में कितनी मौतें हुई?

नए साल की शुरुआत से ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने देश को झकझोर दिया है, जिनमें कार्यकर्ताओं के अनुसार अब तक 5,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। ताजा घटनाक्रम ट्रंप के दावोस दौरे से अमेरिका लौटने के बाद सामने आया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर तेज होता दिख रहा है।

ट्रंप ने दी हमले की धमकी

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा था कि ईरान पर अमेरिका की कड़ी नजर है। उन्होंने कहा कि युद्धपोतों का एक बेड़ा खाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने ईरान को इशारा करते हुए कहा कि अगर तुम लोगों फांसी देते हो, तो तुम पर पहले से कहीं ज्यादा जोरदार हमला होगा। यह तुम्हारे ईरान परमाणु कार्यक्रम पर हमने जो किया, उसे मूंगफली जैसा बना देगा।

अमेरिकी दबाव के आगे क्या फूटेगा ईरान का सब्र?

ईरानी अधिकारी ने कहा कि तेहरान हाई अलर्ट पर है। हालांकि, उन्होंने संभावित जवाबी कार्रवाई की प्रकृति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का सैन्य बल किसी भी सबसे खराब स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के अधिकारी ने कहा, 'जो देश लगातार अमेरिकी सैन्य दबाव में रहता है, उसके पास यही विकल्प होता है कि वह अपने पास मौजूद हर संसाधन का इस्तेमाल कर हमले का जवाब दे और संतुलन बहाल करे।'

वाशिंगटन के पास पोटोमैक नदी में गंदे पानी का बड़ा रिसाव

वाशिंगटन , एजेंसी। वाशिंगटन के उत्तर-पश्चिम में पोटोमैक नदी में एक बड़ा सीवर पाइप फटने से लाखों गैलन कचरा नदी में बह रहा है। यह रिसाव सर्दियों की आने वाली तूफानी बारिश से ठीक पहले हुआ है, जिससे मरम्मत दल मुश्किल में हैं। डीसी वॉटर ने बताया कि 72 इंच व्यास वाला पाइप सोमवार देर रात फटा। इसके कारण रोज़ाना लगभग 40 मिलियन गैलन गंदा पानी नदी में जा रहा है, जो 66 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल भरने के बराबर है। स्थानीय पर्यावरण विशेषज्ञों ने बताया कि गंदा पानी इतनी मात्रा में है कि इसे छूना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। अधिकारियों ने नदी के पास लोगों को जाने से मना किया है और मरम्मत के लिए पंपों का उपयोग शुरू किया है। डीसी वॉटर ने कहा कि पीने के पानी पर कोई असर नहीं पड़ा है। पाइपलाइन की मरम्मत सितंबर में शुरू हुई थी और अप्रैल में पूरी होने की योजना थी, लेकिन अब यह टूटने से आगे काम की आवश्यकता बढ़ गई है।

पेंगुइन के साथ ग्रीनलैंड चले ट्रंप!

अमेरिकी राष्ट्रपति ने फॉलो किया सोशल मीडिया का नया ट्रेंड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर एक बार ग्रीनलैंड की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बार सोशल मीडिया ट्रेंड के जरिए अपनी बात कही है।

द व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप और पेंगुइन की साथ में एक ढ फोटो शेयर की है। इसमें पेंगुइन ने अमेरिका का झंडा पकड़ा है। ट्रंप और पेंगुइन साथ में पहाड़ों में तरफ बढ़ रहे हैं, जहां ग्रीनलैंड का झंडा लगा है।

डोनल्ड ट्रंप कई बार ग्रीनलैंड को अमेरिका के साथ जोड़ने की बात कह चुके हैं। अब ट्रंप का पेंगुइन के साथ ग्रीनलैंड की तरफ जाने वाला ढ फोटो सामने आया है। पेंगुइन को लेकर कई तरह के मीम सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पेंगुइन को लेकर सोशल मीडिया पर

चर्चा वर्नर हर्जोग की 2007 की डॉक्यूमेंट्री एनकाउंटर्स एट द एंड ऑफ द वर्ल्ड की वजह से हो रही है। इस डॉक्यूमेंट्री की क्लिप में एक अकेला एडेलि पेंगुइन अपनी कॉलोनी से अलग होकर अंटार्कटिक की ओर भटकता हुआ दिखाई देता है।

इस क्लिप में बताया जा रहा है कि पेंगुइन अपनी कॉलोनी का साथ छोड़कर पहाड़ों की तरफ अकेले ही निकल गया है। पेंगुइन जिस दिशा में जा रहा है, वहां करीब 70 किलोमीटर दूर केवल पहाड़ हैं। पेंगुइन अपने साथियों को छोड़कर अकेला सबकुछ छोड़कर चला जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने एआई फोटो में यह दिखाने की कोशिश की है कि पेंगुइन उनके साथ ग्रीनलैंड पर कब्जा करने जा रहा है। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। डॉक्यूमेंट्री की क्लिप में उस बर्फीले पहाड़ पर कोई झंडा नहीं है। सोशल मीडिया पर लोग इसे निहिलिस्ट पेंगुइन, लोनली पेंगुइन और वैंडरिंग पेंगुइन मीम कह रहे हैं।